खण्ड—A / SECTION—A

1. (a) समय के अभाव में विश्वविद्यालय का एक प्रोफेसर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) की मदद से एक Ph.D. के मूल्यांकन का प्रतिवेदन लेकर और उसे कुछ संशोधित कर जमा कर देता है। जवाबदेही और निष्ठा के परिप्रेक्ष्य में इस पर विचार कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Owing to paucity of time, a university professor generates a Ph.D. evaluation report using Artificial Intelligence and submits it with some modifications. Discuss this from the perspective of accountability and integrity. (Answer in 150 words) 10

(b) एक औद्योगिक घराना एक ऐसी परियोजना पर काम कर रहा है, जिसके कारण एक वन-समुदाय अपने प्राकृतिक वासस्थान से विस्थापित हो सकता है। उक्त ज़िले के प्रशासनिक अधिकारी के रूप में आप किन नैतिक चुनौतियों का सामना करेंगे? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

A business house is working on a project that could displace a forest community from their habitat. As the administrative officer of that district, what ethical challenges are you likely to face? (Answer in 150 words) 10

2. (a) एक विलुप्तप्राय जनजाति गहन कंकालीय विरूपता (स्केलेटल डिफॉर्मिटी) से ग्रस्त है। एक विश्वविद्यालयी शोध ने एक खनिज-पूरक को इसके संभावित उपचार के लिए चिह्नित किया है, यद्यपि इसका चिकित्सकीय परीक्षण होना अभी शेष है। क्या ज़िलाधिकारी (डी० एम०) को इस शोध का उपयोग इस जनजाति पर करवाना चाहिए? आयुर्वैज्ञानिक एवं प्रशासनिक नैतिकता की दृष्टि से इस पर विचार कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

An endangered tribe has developed a severe skeletal deformity. A university research has identified a mineral supplement as a possible remedy, though clinical trials are yet to be conducted. Should the District Magistrate (DM) use this research on the tribe? Discuss from the perspective of medical and administrative ethics. (Answer in 150 words) 10

(b) राष्ट्रीय सुरक्षा एवं मानवाधिकार के हितों के बीच किस तरह से संतुलन स्थापित किया जा सकता है? विचार कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss how national security can be balanced with concerns of human rights. (Answer in 150 words) 10

3. (a) डॉ० बी० आर० अम्बेडकर ने सचेत किया था कि किसी संवैधानिक प्रजातंत्र में सविनय अवज्ञा का क्रियान्वयन 'अराजकता' का अनुमोदन करने जैसा है। आधुनिक लोकतांत्रिक प्रणालियों को उन सविनय अवज्ञा आंदोलनों से उत्पन्न नैतिक दुविधाओं का सामना किस प्रकार करना चाहिए, जो सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उन नीतियों का विरोध करते हैं, जिनके संबंध में वास्तविक और उचित चिंताएँ हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Dr. B. R. Ambedkar had cautioned that employing civil disobedience within a constitutional democracy equates to endorsing 'anarchy'. How should modern democracies navigate the ethical dilemmas posed by civil disobedience movements that aim to promote social justice against policies that may raise genuine concerns? (Answer in 150 words) 10

(b) एक भारतीय प्रशासनिक अधिकारी गाँधीजी के 'ट्रस्टीशिप' के बोध का प्रयोग निष्पक्ष प्रशासन को सुनिश्चित करने के लिए कैसे कर सकता है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

In what ways can an Indian Administrative Officer apply Gandhi's notion of 'trusteeship' to ensure fairness in governance? (Answer in 150 words) 10

(c) हेनरी *IV* में शेक्सपीयर का कथन है कि "हथियार का तभी औचित्य है जब उसे रखना न्यायसंगत हो"। प्रशासन में इसके क्या नैतिक आशय हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Shakespeare in *Henry IV* says, "The arms are fair when the intent of bearing them is just". What ethical implications does this have in governance? (Answer in 150 words) 10

4. (a) लम्बी अवधि तक दवाओं के प्रयोग से उत्पन्न इसके गंभीर कुप्रभावों पर बल देते हुए एक चिकित्सक एक महिला रोगी के परिवार वालों को सर्जरी के लिए राजी कर लेता है। रोगी हिचकिचाती हुई अपनी सर्जरी की स्वीकृति देती है, जबकि उसका प्राथमिक चुनाव दवाओं से ही इलाज कराने का था। इस प्रसंग में चिकित्सक की गतिविधि की विवेचना करते हुए पितृवाद (पैटर्नलिज़्म) एवं उपकार (बेनीफिसेन्स) की अवधारणा को व्याख्यायित कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Citing the serious adverse effects of long-term medication, a doctor convinces the family of a female patient for surgery. This led the patient to reluctantly consent for the surgery, though her original choice was to opt for medication. Explain the concepts of paternalism and beneficence by analysing the doctor's action. (Answer in 150 words) 10

(b) दक्षता है—काम को सही तरीके से करना, प्रभावशीलता है—सही काम करना। उत्पादकता को बढ़ाने के लिए आप इनके बीच किस प्रकार संतुलन स्थापित करेंगे? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Efficiency is doing things right, while effectiveness is doing the right thing. How do you strike a balance between the two to enhance productivity? (Answer in 150 words) 10

5. (a) सुदूर क्षेत्रों में स्थित विद्यालय प्रायः सरकारी नियमों के अनुसार पूर्ण रूप से काम नहीं कर पाते हैं। हालाँकि, यदि उन पर ये नियम कठोरता से लागू किए जाएँ, तो अधिकतर विद्यालय बंद हो जाएँगे। एक प्रशासनिक अधिकारी को नियमों को लागू करने और विद्यार्थियों के शैक्षणिक अधिकारों के बीच कैसे संतुलन स्थापित करना चाहिए? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Usually schools, working in remote areas, do not fully comply with government regulations. However, if the rules are enforced strictly, it would lead to most schools closing down. How should an administrator strike a balance between enforcement of rules and educational rights of children? (Answer in 150 words) 10

(b) अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में नैतिक मूल्यों एवं मानदंडों की अपेक्षा राष्ट्र-राज्यों के रणनीतिक हितों को अकसर अधिक महत्त्व दिया जाता है। नैतिक दृष्टिकोण से इसकी विवेचना कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

In international relations, ethical considerations are often subjugated to the strategic interests of nation-states. Discuss this from an ethical perspective. (Answer in 150 words) 10

6. (a) अपने निजी सहायक (पी० ए०) के निवेदन पर ज़िलाधिकारी (डी० एम०) विद्यालय के एक अध्यापक का स्थानांतरण रोक देता है, जो इस निजी सहायक की अधिगम अक्षमता वाली बेटी को ट्यूशन पढ़ाता है। इस संदर्भ में समानुभूति बनाम कर्तव्यपालन के पक्षों पर विचार कीजिए। (उत्तर *150* शब्दों में दीजिए)

On the request of his Personal Assistant (PA), the District Magistrate (DM) stops the transfer of a schoolteacher who takes private tuition for his daughter diagnosed with learning disability. In this context, discuss the aspects of empathy versus compliance with rules. (Answer in *150* words) 10

(b) कुछ नीतिवादी दार्शनिकों का तर्क है कि जो आर्थिक रूप से अत्यंत कमज़ोर हैं, उनके लिए अपनी आर्थिक स्थिति को विशेष रूप से प्रभावित किए बगैर, अपने संसाधनों में से कुछ खर्च करना सिर्फ परोपकार नहीं, हमारा नैतिक कर्तव्य है। परोपकार एवं कर्तव्य के बीच अंतर को स्पष्ट करते हुए इस कथन की पुष्टि कीजिए। (उत्तर *150* शब्दों में दीजिए)

Some moral philosophers argue that spending some of your resources—without significantly affecting your financial stability—to help other people who badly suffer is our moral duty and not merely a matter of charity. Justify this claim by explaining the distinction between duty and charity. (Answer in *150* words) 10

UnderStand UPSC

खण्ड—B / SECTION—B

7. लता, जो दो बच्चों की माँ है, उसे अचानक तेज़ पेट-दर्द के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसकी ननद सुजाता उसके साथ थी। डॉ० मानसी ने लता की जाँच की और एक डायग्नोस्टिक लैप्रोस्कोपी करवाने की सलाह दी। जेनरल ऐनेस्थीसिया देकर उपर्युक्त चिकित्सकीय प्रक्रिया के लिए लता की सहमति ली गई।

लैप्रोस्कोपी करते हुए डॉ० मानसी की टीम को लता के गर्भाशय में ट्यूमर मिला। एक गहन जाँच से निकलकर आया कि यह ट्यूमर घातक हो सकता है।

डॉ० मानसी के सामने एक विकल्प यह था कि ट्यूमर का एक नमूना बायोप्सी के लिए निकाला जाय। यदि बायोप्सी करने के बाद ट्यूमर घातक निकलता है, तो लता को एक और ऑपरेशन गर्भाशय निकालने के लिए करवाना होगा। दूसरा विकल्प यह था कि उसी समय गर्भाशय निकाल दिया जाय। डॉ० मानसी को यह निर्णय तत्काल लेना था।

चूँकि लता जेनरल ऐनेस्थीसिया के कारण बेहोश थी, इसलिए डॉ० मानसी ने सुजाता को इस स्थिति से पूरी तरह अवगत कराया। डॉ० मानसी की सलाह से सुजाता सहमत थी कि हिस्टेरेक्टॉमी करके लता का गर्भाशय निकालना होगा, जिससे उसे एक दूसरे ऑपरेशन का खतरा और पीड़ा न हो। डॉ० मानसी ने सुजाता की लिखित सहमति लेने के बाद लता का गर्भाशय निकाल दिया। इसके बारे में अगले दिन लता को सूचित किया गया। वह बहुत विचलित हुई और उसे लगा कि उसके साथ धोखा हुआ है, क्योंकि गर्भाशय निकालने के लिए उसकी सहमति नहीं ली गई थी।

लता ने पुलिस में शिकायत की। पुलिस ने उसे समझाने की कोशिश की कि डॉ० मानसी ने सही इरादे से एक मरीज की मदद की है। सुजाता का भी यही विचार था, लेकिन लता इससे आश्वस्त नहीं थी और उसने न्यायालय जाने का निर्णय लिया।

(a) इस प्रसंग से जुड़े नैतिक मुद्दों पर विचार कीजिए।

(b) इस परिस्थिति में डॉक्टर के नैतिक आचरण पर विचार कीजिए। (उत्तर *250* शब्दों में दीजिए)

Lata, a mother of two children, was admitted to a hospital for acute abdominal pain. Her sister-in-law, Sujatha, accompanied her. Dr. Mansi examined Lata and recommended a diagnostic laparoscopy. Lata's consent was taken to conduct the medical procedure under general anesthesia.

During the laparoscopy, Dr. Mansi's team discovered a tumor in Lata's uterus. A closer examination suggested that the tumor could be malignant.

One option before Dr. Mansi was to extract a sample for biopsy. In that case, if the tumor was malignant, Lata would have to undergo another surgery for removal of the uterus. An alternative was to remove the uterus immediately. Dr. Mansi had to take a quick decision.

As Lata was under general anesthesia, Dr. Mansi explained the situation to Sujatha. Sujatha agreed with Dr. Mansi's recommendations for a hysterectomy, wherein Lata's uterus would be removed to avoid the risk and pain of undergoing another surgery. Dr. Mansi removed Lata's uterus after receiving Sujatha's consent in writing. Lata was informed of this the next day. She was very upset and felt betrayed as she had not consented to the removal of her uterus.

Lata complained to the police who tried to convince her that Dr. Mansi had acted with good intention to help a patient. Sujatha was of the same opinion, however Lata was not convinced and decided to approach the court.

(a) Discuss the ethical issues involved in this case.

(b) Discuss the moral conduct of the doctor in this situation.

(Answer in *250* words) 20

8. रवि एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी है, जिसे दंगा-नियंत्रण एवं साइबर-पुलिसिंग का विपुल अनुभव है। पिछले एक वर्ष से वह एक ऐसे ज़िले का पुलिस अधीक्षक (एस० पी०) है, जिसका लगातार दंगों का इतिहास है।

पिछले वर्ष रवि ने अनुमानात्मक पुलिसिंग के लिए एक ए० आइ० (AI) सॉफ्टवेयर अपने ज़िले में लगवाया। यह प्रणाली लगभग छः महीनों से काम कर रही है। इस नई प्रणाली में भीड़ में मौजूद लोगों के बायोमेट्रिक आँकड़ों को संकलित करने और उन्हें शीघ्रता से एक डेटा भंडार से संबद्ध करने के लिए उन्नत ऐल्गोरिदम का उपयोग किया जाता है। इसने कई तरह के अपराधों में शामिल लोगों को चिह्नित करने में पुलिस की मदद की है।

इस प्रणाली ने प्रवासी तथा निम्न-आय वर्ग के एक आवासीय क्षेत्र को सामूहिक हिंसा और नशीले पदार्थों की तस्करी के केंद्र के रूप में चिह्नित किया है। इस AI प्रणाली की सहायता से स्थानीय पुलिस ने अपनी गश्त, निवारक नज़रबंदी (प्रिवेन्टिव डिटेन्शन) और पुलिस नाके की व्यवस्था केन्द्रित की है। इसके फलस्वरूप सार्वजनिक व्यवस्था और कानून प्रवर्तन में सुधार स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।

पिछले सप्ताह कुछ लोक-नेता, नागरिक अधिकारों के वकील, और मानवाधिकार कार्यकर्ता रवि से उसके कार्यालय में मिले। उन्होंने रवि को एक ज्ञापन दिया कि यह नई प्रणाली त्रुटिपूर्ण है, क्योंकि यह गलत ऐतिहासिक तथ्यों पर आधारित है, और सामाजिक पूर्वाग्रहों तथा भेदभावपूर्ण पुलिसिंग से प्रेरित है। ज्ञापन ने यह भी आरोप लगाया कि बढ़ी हुई निगरानी के कारण वहाँ के रहने वालों में एक तनाव व्याप्त है। यह भाव और बढ़ गया है, क्योंकि उस क्षेत्र में रहने वालों को नहीं पता कि किस प्रकार का डेटा उनके नाम से उसमें दर्ज है।

(a) डेटा-आधारित पुलिसिंग में, AI के उपयोग में शामिल नैतिक मुद्दे और पूर्वाग्रह क्या-क्या हैं?

(b) रवि के स्थान पर खुद को रखकर विचार कीजिए कि आपके समक्ष कौन-से विकल्प उपलब्ध हैं। यह बताइए कि चयनित विकल्प किस तरह नैतिकता के अधिक निकट है।

(उत्तर *250* शब्दों में दीजिए)

Ravi is a senior police officer with vast experience in riot control and cyber-policing. Since one year, he has been the Superintendent of Police (SP) of a district with a history of frequent rioting.

Last year, Ravi had sought installation of an AI enabled software for predictive policing. This system has been operational for approximately six months. This new system employs advanced algorithms for capturing the biometric data of persons in a crowd and swiftly relating it to a data library. This has enabled the police to identify the persons involved in various crimes.

The system has identified an immigrant and low-income neighbourhood as a centre for gang violence and drug trafficking. Aided by this AI analysis, the local police has focused its patrolling, preventive detentions and establishing checkposts. Consequently, public order and law enforcement has visibly improved.

Last week, some community leaders, civil rights lawyers and human rights activists visited Ravi's office. They submitted a memorandum that the new system is faulty as it is based on incorrect historical data caused by social biases and discriminatory policing. The memorandum also alleges that the increased surveillance has created a climate of tension amongst residents. This feeling is aggravated by the fact that the residents are not aware of the data noted against their names.

(a) What are the ethical issues including biases involved in the use of AI in data-driven policing?

(b) Place yourself in Ravi's role and discuss the alternatives available. Justify the action that optimises compliance with ethics. (Answer in 250 words) 20

UnderStand UPSC

9. सीमा एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी हैं, जो अपनी सत्यनिष्ठा और व्यावसायिक कुशलता के लिए ख्यात हैं। हाल ही में उनकी नियुक्ति सुरेन्द्र नगर के ज़िलाधिकारी (डी० सी०) के रूप में हुई है, जहाँ एक बृहत् औद्योगिक क्षेत्र स्थापित किया जा रहा है।

इस नए औद्योगिक क्षेत्र में बहुत से किसानों ने भूमि उपयोग में परिवर्तन (सी० एल० यू०) के लिए आवेदन दिया है कि उनकी खेती की ज़मीन को आवासीय क्षेत्र में परिवर्तित किया जाय। इस तरह के आवेदनों की ऐसी भरमार है कि उनमें से अधिकांश का निस्तारण विलंबित है। सीमा ने लक्षित किया है कि उनमें से कुछ आवेदनों को, कालानुक्रमिक क्रम को अनदेखा करते हुए, मंज़ूरी दी गई है। इस मामले की फाइल में सीमा को कुछ ऐसी शिकायतें मिलीं, जिनमें कहा गया था कि कुछ आवेदकों से मंज़ूरी के बदले तगड़ी रिश्वत ली गई थी।

संबंधित तथ्यों की अग्रिम जाँच से सीमा को ज्ञात हुआ कि कलेक्ट्रेट के कुछ अधीनस्थ अधिकारियों के साथ मिलकर दलालों का एक छोटा गिरोह इस ग़ैर-कानूनी गतिविधि को अंजाम दे रहा है। इस प्रकरण से बाकी कर्मचारी इतने भयभीत हो गए कि वे इन आवेदनों को अग्रसरित करने में घबराने लगे। इस प्रक्रिया में विलंबित मामलों की संख्या बढ़ती रही, जिसके फलस्वरूप स्थानीय आर्थिक विकास अवरुद्ध रहा एवं जनता में असंतोष पैदा हुआ।

सीमा के समक्ष यह एक बड़ी नैतिक एवं प्रशासनिक चुनौती थी कि दैनिक प्रशासनिक गतिविधियों को बिना अवरुद्ध किए इस भ्रष्टाचार के तंत्र को कैसे तोड़ा जाय। इसकी यदि एक आक्रामक आंतरिक जाँच-पड़ताल की जाय, तो सांस्थानिक प्रतिरोध की आशंका है और साथ ही मजदूर-संगठन की ओर से भी प्रतिक्रिया आ सकती है। दूसरी ओर यदि वे इस स्थिति को अनदेखा करती हैं, तो भ्रष्टाचारियों को प्रोत्साहन मिलेगा और अनावश्यक रूप से आम लोगों का उत्पीड़न जारी रहेगा, जिसे अभी रोका जा सकता है।

(a) इस प्रसंग के नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?

(b) सीमा के पास उपलब्ध विकल्पों पर विचार कीजिए। प्रस्तावित विकल्प को चिह्नित कर उसके औचित्य को रेखांकित कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Scanned with CamScanner

Seema is a senior bureaucrat with a reputation of honesty and professional efficiency. She has recently been posted as the District Collector (DC) to Surinder Nagar, where a large industrial area is being established.

The new industrial area had caused many farmers to submit applications for change of land use (CLU) to convert their farmlands into residential areas. There is an unusually large backlog of these applications awaiting processing. Seema noticed that some applications had been approved selectively with no visible chronological pattern. The case files showed a few complaints of some approvals being subject to receipt of large bribes from the applicants.

On further fact-finding, Seema realized that a small group of touts was controlling this illegal activity through some subordinate officials in the Collectorate. This had created a fear in the other employees who were reluctant to process any application. The resultant backlog has been piling up thereby hindering local economic progress and causing public dissatisfaction.

Seema was faced with a major moral and administrative challenge of dismantling this corruption network without hampering daily administrative operations. An aggressive internal investigation would result in institutional resistance and, possibly, a backlash from labour unions. Conversely, ignoring this situation would encourage the wrongdoers and unnecessarily continue this avoidable harassment to the populace.

(a) What are the ethical issues involved in this case?

(b) Discuss the options open to Seema. Identify the recommended option and justify it. (Answer in 250 words) 20

10. विकास एक सरकारी अधिकारी है, जिसे दस वर्ष से अधिक लोक-प्रशासन का अनुभव है। हाल ही में उसकी नियुक्ति सुदूर पर्वतीय एवं वन के निकटवर्ती क्षेत्र नैनीपुरा के ज़िलाधिकारी (डी० सी०) के रूप में हुई है। नैनीपुरा के न्यून आर्थिक विकास के कारण उसका प्रमुख दायित्व है कि उस क्षेत्र के आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग (ई० डब्ल्यू० एस०) के लिए सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पी० डी० एस०) को ठीक से चलाए।

क्षेत्र में दौरा करते समय विकास को ज्ञात हुआ कि वहाँ सार्वजनिक वितरण प्रणाली के क्रियान्वयन में एक विशेष प्रशासनिक चुनौती सामने आ रही है। स्रोतों के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए सभी वितरकों के लिए यह अनिवार्य किया गया था कि वे लाभार्थियों की वास्तविक समय बायोमेट्रिक पहचान सुनिश्चित करें, जिसके अंतर्गत उनकी अँगुलियों के निशानों के मिलान पहचान-पत्र के अभिलेखों से किया जाता था। किन्तु इससे अनेक समस्याएँ उत्पन्न हो रही थीं, क्योंकि यह प्रणाली बढ़ते बच्चों, श्रमिकों तथा वरिष्ठ नागरिकों के मामलों में अँगुलियों के निशानों का मिलान कभी-कभी स्वीकार नहीं करती थी। यह समस्या तब और गम्भीर हो जाती जब वाईफाई का सम्पर्क धीमा हो जाता था। ऐसे मामलों में जब वितरक ग्राहकों को पहचान पाते थे, तब वे अपने निजी आग्रह के अनुसार काम करते।

विकास को प्राथमिकता से इस समस्या का निदान करना था। सरकारी नियमों का कठोरतापूर्वक पालन करने से वित्तीय शुचिता तो सुनिश्चित होगी पर इससे प्रभावित लाभार्थियों अर्थात् आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग को बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। इतना ही नहीं, यह संविधान के अनुच्छेद 21 द्वारा प्रदत्त उनके जीवन के मौलिक अधिकारों का भी

हनन कर सकता है। दूसरी ओर इस समस्या का निदान यदि सिर्फ वितरकों के निजी आग्रहों पर छोड़ दिया जाय, तो इसका परिणाम स्रोतों का दुरुपयोग होगा।

(a) विकास के समक्ष कौन-से विकल्प हैं? उसे नामित लाभार्थियों के प्रति संवेदनशीलता बनाए रखते हुए वित्तीय शुचिता से संतुलन कैसे स्थापित करना चाहिए?

(b) कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों के चयन में प्रौद्योगिकी के उपयोग की नैतिकता पर विचार कीजिए।

(उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Vikas is a government officer with over a decade of service in public administration. He has recently moved as the District Collector (DC) of Nainipura, a remote hilly district bordering a forest. Due to Nainipura's low levels of economic development, one of his major duties is to ensure proper functioning of the public distribution system (PDS) amongst the economically weaker sections (EWS).

During his on-site visits, Vikas was apprised of a typical administrative challenge in operating the PDS. To prevent leakages, all distributors were required to carry out real-time biometric identification of the beneficiaries, whose fingerprints were tallied with identity card records. This was creating problems as the operating system sometimes rejected fingerprint matching in the cases of growing children, manual labourers and senior citizens. The problem was further compounded in periods of low WiFi connectivity. The distributors, in such cases, resorted to personal discretion when they could identify the recipient.

Vikas had to address this problem on priority. Strictly adhering to government regulations would ensure fiscal probity but would greatly trouble the proposed beneficiary, i.e., EWS. It may even impinge on their fundamental right to life as per Article 21 of the Constitution. Conversely, leaving the resolution solely to the discretion of the distributors could lead to misuse and leakages.

(a) What are the options open to Vikas? How should he balance fiscal probity with empathy towards the designated beneficiaries?

(b) Discuss the ethics of using technology as a gatekeeper for welfare schemes.

(Answer in 250 words) 20

11. राजापुरम एक सीमावर्ती ज़िला है। झारा और बीरू वहाँ के दो प्रमुख समुदाय हैं, जो प्रायः एक-दूसरे के साथ टकराव की स्थिति में रहते हैं। इसके कारण वहाँ का सामाजिक ताना-बाना बिगड़ गया है और उसे ठीक करने की आवश्यकता है। इन दोनों के बीच जो जातीय संघर्ष है, वह प्रायः हिंसा को जन्म देता है, जिसके कारण बहुत लोगों की मृत्यु हो गई है। इस तनाव के जो कारण बताए जाते हैं, वे हैं—ज़मीन पर दोनों गुटों के दावे, स्रोतों का असंतुलित बँटवारा और सरकारी संस्थाओं में उनका अपर्याप्त राजनीतिक प्रतिनिधित्व। दोनों समुदायों के लिए अलग-अलग राहत शिविर बनाना पड़ा। स्थिति इतनी विषम हो गई है कि लगता है जल्द ही वह नियंत्रण से बाहर हो जाएगी।

राजन को राजापुरम का ज़िलाधिकारी (डी० एम०) नियुक्त किया गया है। उसकी ज़िम्मेदारी है कि वह अतिशीघ्र स्थिति को नियंत्रण में ले। उसके प्राथमिक कार्य हैं—प्रशासनिक व्यवस्था की बहाली, राजमार्ग को खुलवाना एवं शांतिवार्ता को शुरू करना। पदभार ग्रहण करते ही राजन को ज्ञात हुआ कि समुदायों के बीच जो द्वंद्व है, वह स्थानीय प्रशासन एवं पुलिस तक पहुँच गया है। चूँकि स्थानीय प्रशासन वहाँ निष्पक्ष नहीं रह गया था, इसलिए दोनों समुदायों का उस पर से विश्वास उठ गया

था। पड़ोसी देश इस अवसर का लाभ उठाकर एवं आंतरिक विद्रोह को बढ़ावा देकर स्थिति को और खराब कर सकता था। एक संतुलित रवैये के साथ राजन ने राजमार्ग को खुलवाया ताकि खाद्यान्न और चिकित्सकीय वस्तुएँ लोगों तक पहुँचाई जा सकें। प्रशासनिक नियंत्रण की बहाली के लिए उसने सी० आर० पी० एफ० की मदद लेने पर भी विचार किया।

(a) इस प्रसंग में उन नैतिक मुद्दों पर विचार कीजिए, जिन पर ध्यान देना आवश्यक है।

(b) राजन के सामने क्या विकल्प हैं? नैतिकता को आहत किए बिना कौन-सा विकल्प उसकी निष्पक्षता की रक्षा सुनिश्चित करेगा?

(उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Rajapuram is a border district. Jhara and Biru, its two major communities are in continual conflict with each other. The social fabric is fractured and demands mending.

Ethnic tensions between the two communities have erupted into violence resulting in a large number of deaths. The stated causes are conflicting land claims, uneven resource allocation and inadequate political representation in government bodies. Separate relief camps had to be created for the two communities. The situation is volatile and appears to be getting out of control.

Rajan has been appointed the District Magistrate (DM) of Rajapuram and tasked to quickly get the situation under control. His immediate tasks include restoring administrative authority, reopening the highway and initiating peace talks. On taking over his appointment, Rajan realized that the inter-community rivalry had even seeped into the local administration and police. With functional neutrality being the immediate casualty, it had made both communities distrustful of the government. The neighbouring country could utilize the opportunity to spur insurgent activity and further aggravate the situation. Rajan favoured a controlled approach starting with opening the highway to restore food and medical supplies. He toyed with the idea of requisitioning CRPF units to help restore administrative control.

(a) Discuss the ethical issues that need to be addressed in this case.

(b) What are the options open to Rajan? Which option would ensure protection of his non-partisan image without compromising ethics?

(Answer in 250 words) 20

12. हाल ही में अजीत की पदोन्नति रक्षा उत्पादन मंत्रालय (एम० डी० पी०) के अंतर्गत हथियार बिक्री विभाग (डी० डब्ल्यू० एस०) के प्रमुख के रूप में हुई है। उसका प्रमुख दायित्व है—अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उन हथियारों का विक्रय, जिन्हें अपने देश में एम० डी० पी० तैयार करता है।

पिछले दो युद्धों में एम० डी० पी० के हथियारों का प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा, जिसके कारण कई देशों ने उन्हें खरीदने में रुचि दिखाई है—मुख्यतः लम्बी दूरी की मार करने वाले तोप और प्रक्षेपास्त्र। देश *A* और देश *B* ने इन हथियारों के लिए कहा है। आयुधों का उत्पादन सीमित होने के कारण, डी० डब्ल्यू० एस० इनमें से किसी एक देश को ही ये हथियार बेच सकता है।

देश *A* विकासशील देश है और उसके पास एक अच्छा प्रौद्योगिक आधार है। एम० डी० पी० अगली पीढ़ी के आयुधों के निमित्त इस देश के साथ मिलकर अनुसंधान एवं विकास के लिए काम करने की योजना बना रहा है। देश *A* किसी सुरक्षा गठबंधन का हिस्सा नहीं है, उसे एक उपद्रवी पड़ोसी देश से सुरक्षा के लिए हथियारों की आवश्यकता है। वह दीर्घ अवधि के कर्ज़ पर अधिक मात्रा में हथियार खरीदना चाहता है।

[P.T.O.

देश B भी एक विकासशील देश है। सैन्य शक्ति उसकी प्राथमिकता है, और सैन्य बजट प्रायः मानव संसाधन तथा अवसंरचना विकास के लिए आबंटनों में भी हस्तक्षेप कर जाता है। वह एक महाशक्ति के साथ सुरक्षा गठबंधन में है जिसकी वहाँ एक बड़ी सैन्य छावनी है और जो उसे समय-समय पर वित्तीय अनुदान प्रदान करती है। वह एक आर्थिक गुट का सदस्य है, जिसके साथ उसकी सरकार वर्तमान में एक मुक्त व्यापारिक समझौते पर बात कर रही है। वह परमाणु अप्रसार संधि (एन० पी० टी०) का हस्ताक्षरकर्ता नहीं है, किन्तु उसके पास लघु परमाणु हथियार तथा उसके प्रक्षेपण तंत्र उपलब्ध हैं। वह विदेशों में कुछ गुरिल्ला बलों को समर्थन प्रदान करता है। उसने अपेक्षाकृत छोटे स्तर के अधिग्रहण की इच्छा व्यक्त की है और अग्रिम भुगतान का कुछ भाग देने के लिए तैयार है। फिलहाल वह एक दूसरे देश से भी हथियार खरीदने की बात कर रहा है।

सम्बद्ध विभागों के समकक्षों से अजीत ने इस विषय पर चर्चा की। उसमें इस बिक्री से होने वाले महत्त्वपूर्ण आर्थिक लाभों, रोज़गार सृजन तथा अधिक सुदृढ़ राजनयिक संबंधों को रेखांकित किया गया था। यह भी बल देकर कहा गया था कि यदि इस सौदे को अस्वीकार कर दिया गया, तो देश B किसी अन्य आपूर्तिकर्ता से हथियार खरीद सकता है।

अजीत इस बात से अवगत था कि हथियारों की बिक्री में हर स्तर पर समुचित सतर्कता बरतना राष्ट्रीय नीति एवं अंतर्राष्ट्रीय संधियों की अनुरूपता सुनिश्चित करने के लिए बहुत आवश्यक है।

(a) अजीत के पास उपलब्ध विकल्पों पर विचार करते हुए यह बताइए कि उसे कौन-सा विकल्प और क्यों चुनना चाहिए।

(b) अजीत किस प्रकार राष्ट्र के आर्थिक और रणनीतिक हितों को नैतिक विचारों से संतुलित करेगा?

(उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Ajit has been recently promoted as the Head of the Department of Weapon Sales (DWS) in the Ministry of Defence Production (MDP). His charter of duties includes international sales of weapons produced domestically by MDP.

In two recent wars, MDP weapons have performed admirably, resulting in many countries showing interest in buying them, particularly long-range artillery and missiles. Country *A* and country *B* have asked for these weapons. However, production constraints restrict DWS to accept only one purchase order.

Country *A* is a developing nation with a sound technology base. MDP is planning R&D collaboration with it for the next generation of weapons. It is not part of any security alliance and needs weapons for protection from a troublesome neighbour. It seeks a large acquisition on a long-term loan.

Country *B* is also a developing nation. Military strength is its priority, with the military budget often ingressing into allocations for human resources and infrastructure development. It is in security alliance with a superpower who has a large military base there and periodically allots it financial grants. It is a member of an economic bloc with which the government is currently negotiating a free trade agreement. It is not a signatory of NPT but possesses smaller nuclear weapons and delivery systems. It supports some guerrilla forces abroad. It has sought a smaller acquisition and is prepared to make some advance payment. It is currently negotiating arms purchases from another nation too.

Ajit discussed this case with his counterparts in the related departments. Therein, the significant economic benefits, employment generation and stronger diplomatic relations arising from this sale were highlighted. It was also emphasized that

refusing the deal could result in country *B* purchasing weapons from some other supplier.

Ajit was aware that in arms sales, due diligence at each stage was pivotal to ensure conformity to national policy and international treaties.

(a) Discuss the options available to Ajit. Which option should he select and why?

(b) How can Ajit balance nation's economic and strategic interests with ethical considerations? (Answer in *250* words) 20

★★★

UnderStand UPSC
US
ज्ञानं नेतृत्वं जनसेवा